वह लड़की जिसने अपनी मुस्कान खो दी

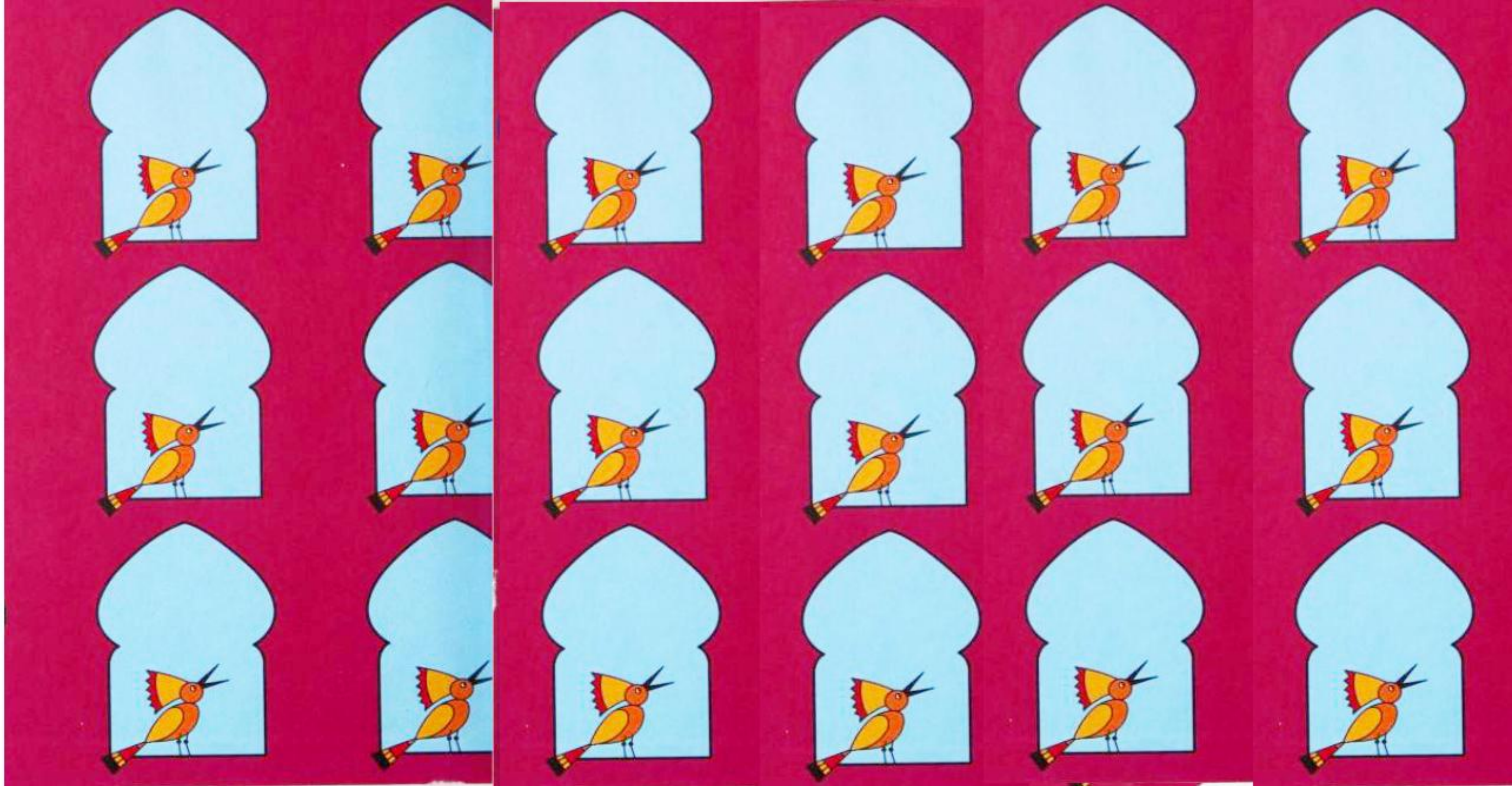
करीम अलरावी

चित्र: स्टीफ़न ज़ेरनेकी



बगदाद के अद्भुत शहर में, जेहान नाम की एक युवती रहती है. एक सुबह, जेहान उठती है और देखती है कि उसकी मुस्कान खो गई है. वह हर जगह देखती है. बाजीगर और आग-खाने वाले कलाकार उसे ढूंढने में मदद करने आते हैं. कलाकार उसके कमरे की दीवारों पर भित्ति चित्र बनाते हैं. वे सभी जेहान का मनोरंजन करने की पूरी कोशिश करते हैं, लेकिन फिर भी, वह अपनी मुस्कान नहीं ढूंढ पाती.

इस्लामी कहानियों और कविताओं के संग्रह "मथनवी" से ली गई, "वह लड़की जिसने अपनी मुस्कान खो दी" जीवन की छिपी सुंदरता को उजागर करने के बारे में एक सरल लोककथा है.

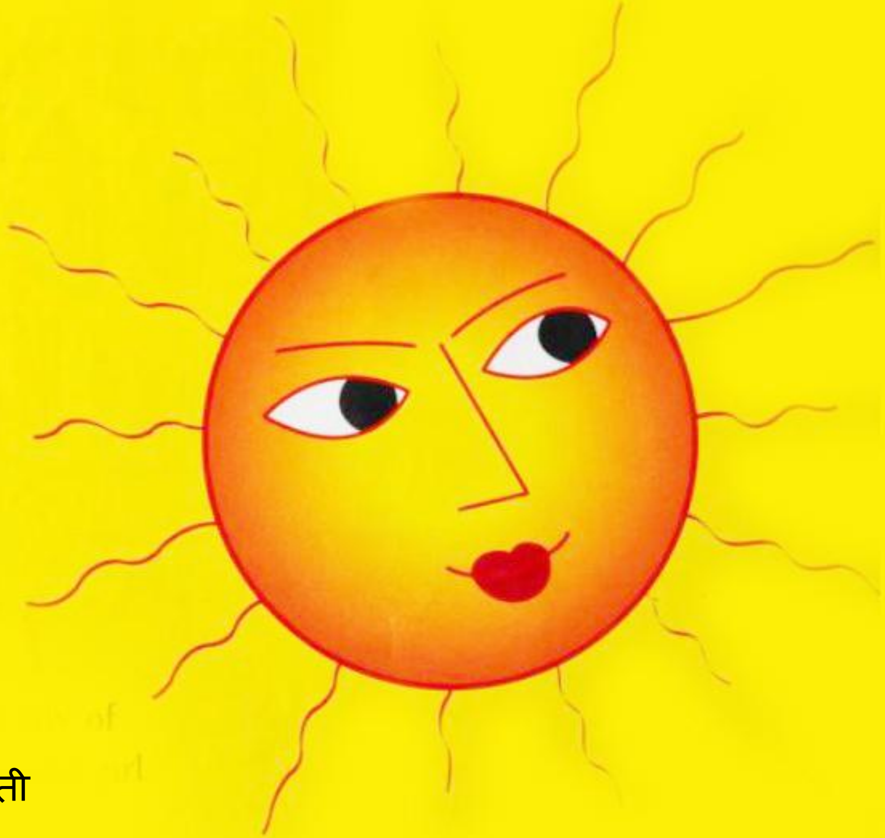


वह लड़की जिसने अपनी मुस्कान खो दी

करीम अलरावी

चित्र: स्टीफ़न ज़ेरनेकी





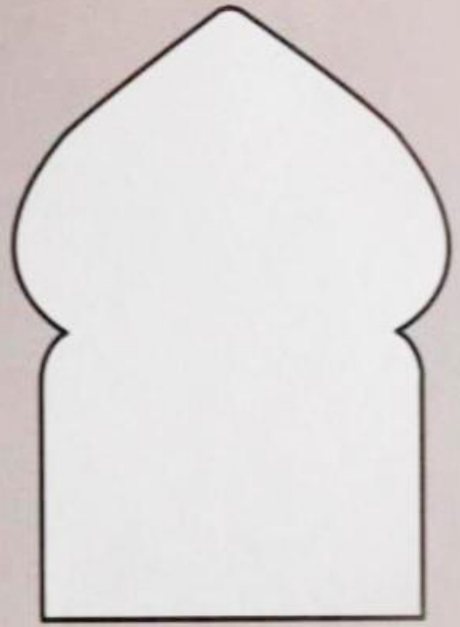
बगदाद के अद्भुत शहर में, जेहान नाम की एक युवती रहती थी.

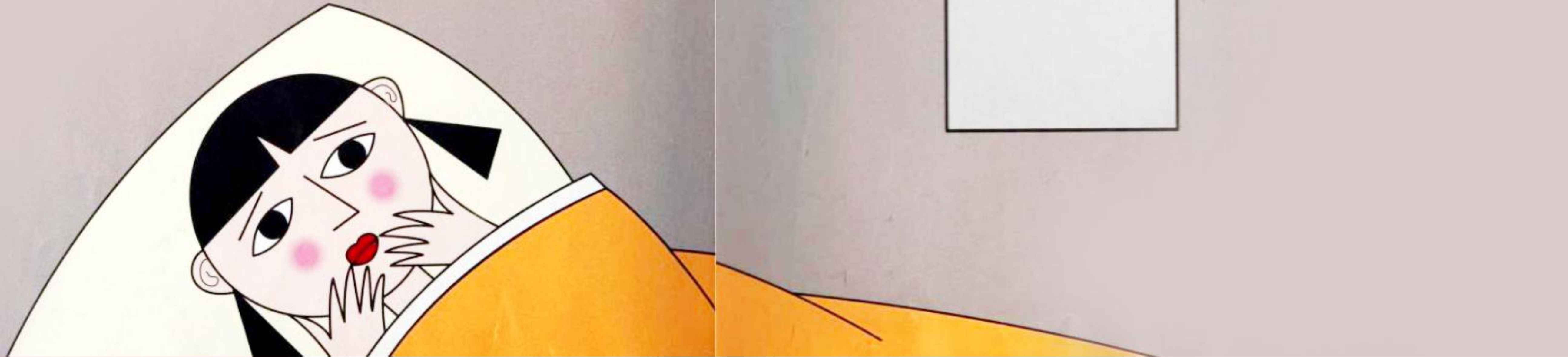
जब जेहान दिन में मुस्कुराती थी, तो सूरज चमकता था.

जब वह रात में मुस्कुराती थी, तो तारे चमकते थे.



एक उदास सुबह, वह उठी और उसे अपनी मुस्कान नहीं मिली. उसने बिस्तर के नीचे और अलमारी में देखा. उसने पूरे घर और बगीचे में देखा, लेकिन उसे कहीं भी अपनी मुस्कान नहीं मिली.





बगदाद के लोगों ने आसमान की ओर देखा, लेकिन सूरज नहीं दिखा.

"हमें जेहान को उसकी मुस्कान ढूँढ़ने में मदद करनी चाहिए," उन्होंने कहा.

बाजीगरों ने जादू दिखाया और आग-खाने वाले कलाकार ने अपने मुंह से लपटें उगलीं, लेकिन फिर भी जेहान को अपनी मुस्कान नहीं मिली.



"ओह, भगवान," उसने कहा.

"मैं फिर कभी नहीं मुस्कुराऊँगी."





एक रात मैंग्रोव के पेड़ के नीचे जेहान के पिता और हूपो साथ बैठे थे. हूपो एक छोटा, लेकिन बहुत बुद्धिमान पक्षी था. "हम जेहान की मदद के लिए क्या कर सकते हैं?" पिता ने हूपो से पूछा.

हूपो ने अपने सुनहरे पंखों का मुकुट हिलाया. "अच्छा होगा अगर हम दुनिया के महानतम कलाकारों को उसके लिए चित्र बनाने के लिए आमंत्रित करें."





"बहुत शानदार विचार है," उसके पिता ने कहा.



इतालवी कलाकार फड़फड़ाते पाल वाले जहाजों में समुद्र पार आए. उन्होंने छत पर हँसते हुए करूब और गाते हुए सेराफिम चित्रित किए.

"यह बेहद सुंदर है," जेहान ने कहा.

लेकिन फिर भी उसे अपनी मुस्कान नहीं मिल पाई.



चीनी कलाकार चमचमाती बर्फ़ की चोटियों पर रंगों से भरी गाड़ियों के साथ आए. उन्होंने दीवारों पर काल्पनिक जानवरों और अद्भुत ड्रेगन चित्रित किए.

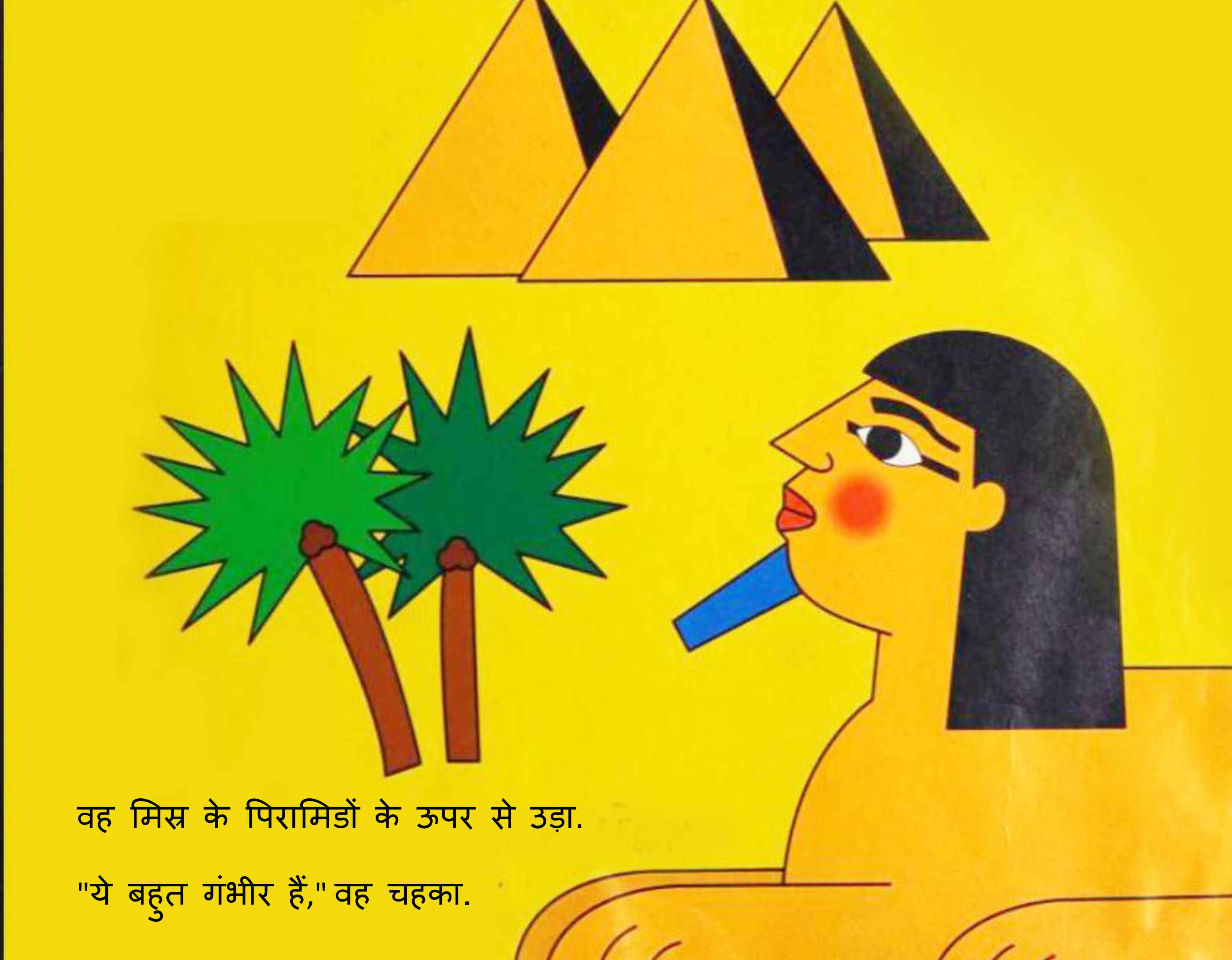
"यह बेहद सुंदर है," जेहान ने कहा.

लेकिन फिर भी उसे अपनी मुस्कान नहीं मिल पाई.



फिर हूपो एक ऐसे कलाकार की तलाश में निकल पड़ा जो जेहान को उसकी मुस्कान ढूँढ़ने में मदद कर सके.

उसने तिब्बत के मठों की यात्रा की, "ये बहुत डरावने हैं," उसने कहा.



वह मिस्र के पिरामिडों के ऊपर से उड़ा.

"ये बहुत गंभीर हैं," वह चहका.

वापसी में, हूपो फारस में रुका.

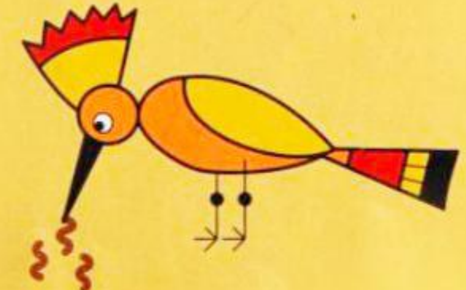
"लगता है मैं जेहान को उसकी मुस्कान ढूँढ़ने में कभी मदद नहीं कर पाऊँगा," हूपो ने आह भरी.



तभी एक युवक ने हूपो की आवाज़ सुनी. उसने छोटी चिड़िया से पूछा कि वह इतनी उदास क्यों है. हूपो ने उसे अपनी कहानी सुनाई.

"मुझे लगता है कि मैं तुम्हारी दोस्त की मुस्कान ढूँढ़ने में मदद कर सकता हूँ," युवक ने कहा.





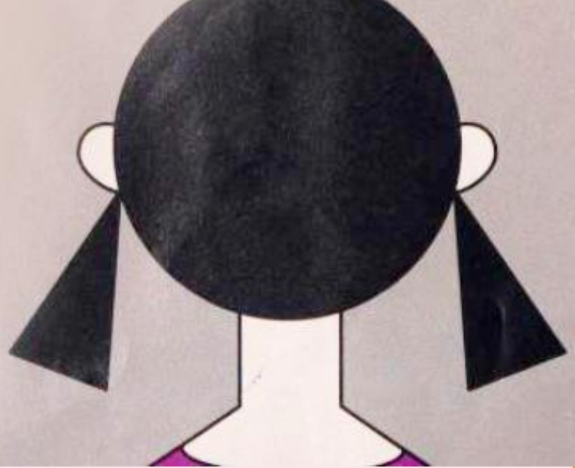
जब युवा फ़ारसी और हूपो जेहान के घर पहुँचे, तो उसके पास बस एक छोटा सा चमड़े का थैला था.

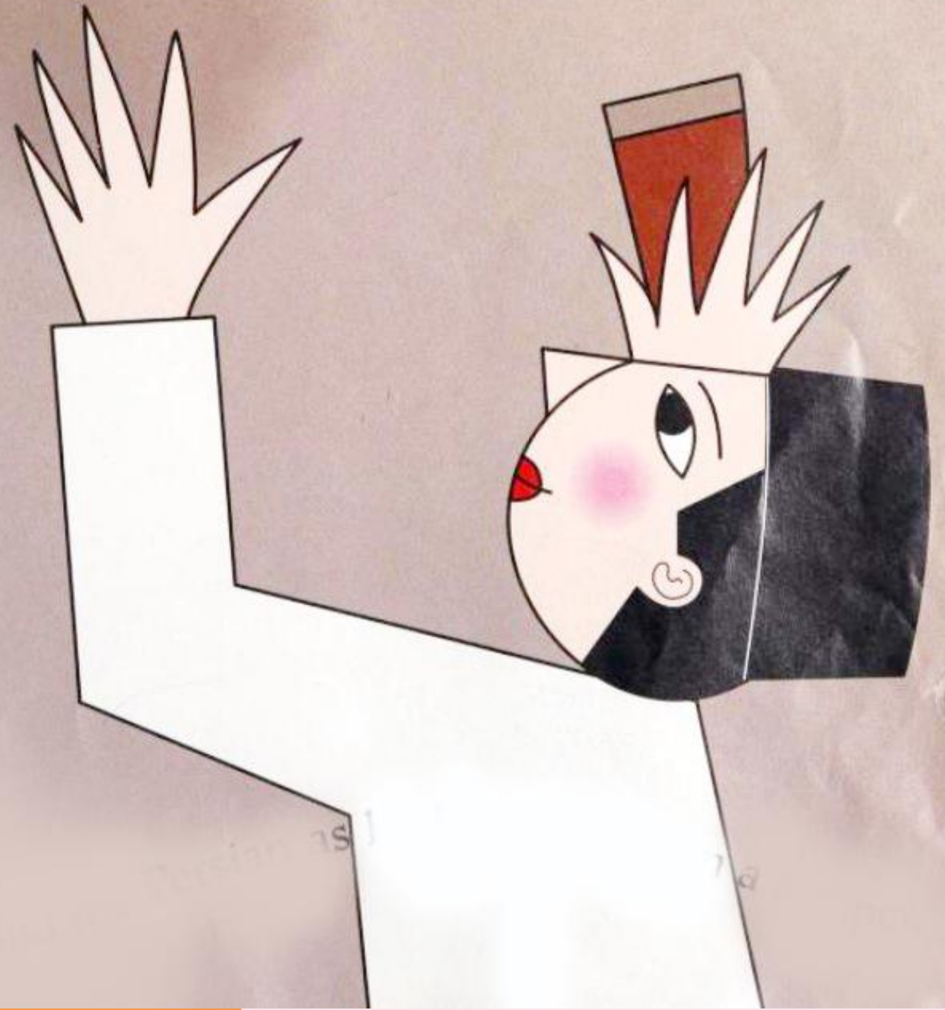
"मुझे वह आदमी मिल गया है जो तुम्हारी मुस्कान ढूँढ़ने में मदद करेगा," हूपो ने अपने पंख फड़फड़ाते हुए कहा. मुझे यकीन है कि मुझे वो आदमी मिला है."



फ़ारसी युवा ने अपने बैग से एक साधारण चंदन की खुरचनी निकाली. फिर बहुत धीरे से, उसने दीवार को घिसना और चिकना करना शुरू कर दिया.



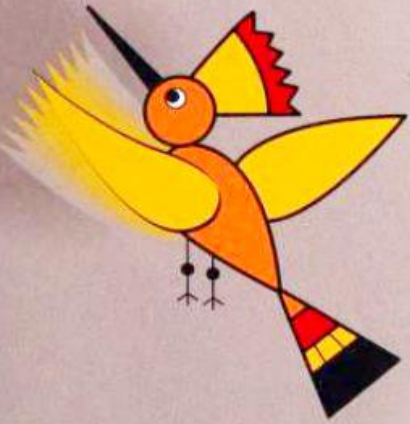


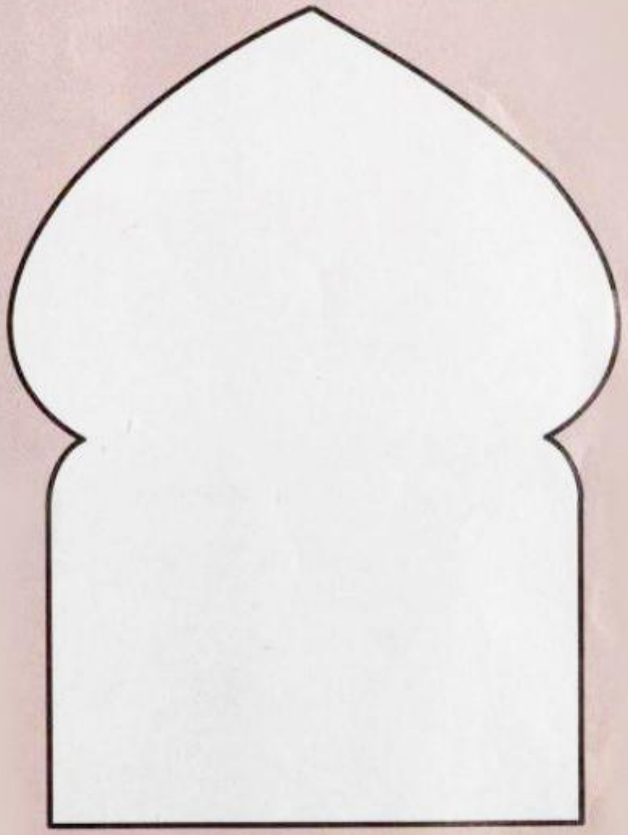


"कृपया मेरी मदद करो," फ़ारसी युवा ने जेहान को खुरचनी देते हुए कहा.

दीवार को चिकना करना बहुत मुश्किल काम था, इसलिए पहले तो जेहान जल्दी थक गई. लेकिन जैसे-जैसे उसने घिसाई और सफाई की, काम कुछ आसान होता गया.







जल्द ही दीवार चमकने लगी,
और जेहान ने देखा कि दीवार
की सुंदरता हमेशा से वहाँ थी.
वह बस उसके उघड़ने और
दिखने का इंतज़ार कर रही थी.
जेहान मुस्कुराने लगी.



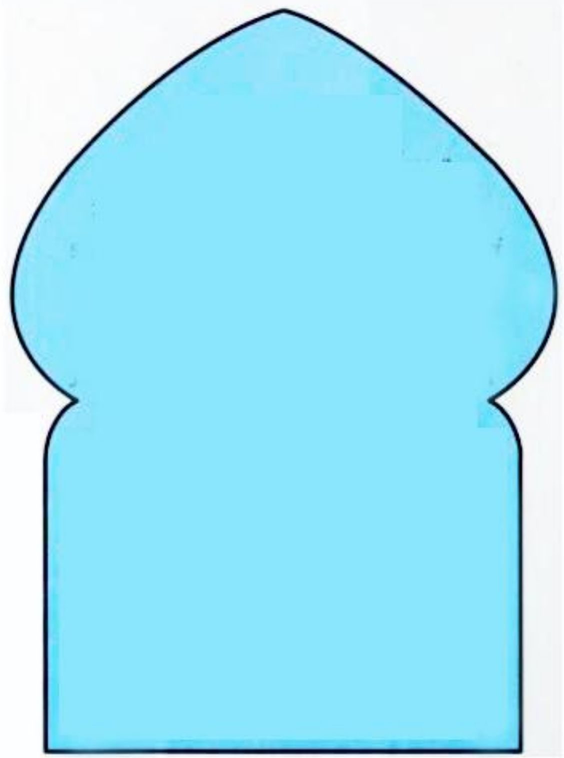
जेहन जितनी ज़्यादा मुस्कुराती,
दीवार उतनी ही चमकदार होती
जाती, और फिर वह गर्मी के दिन
जैसी चमकदार हो गई.



बाहर, बगदाद के लोगों ने ऊपर देखा और देखा कि अब सूरज चमक रहा था.

"आखिरकार," उन्होंने कहा, "जहान को अपनी मुस्कान वापिस मिल गई है."





लेखक का नोट:

"वह लड़की जिसने अपनी मुस्कान खो दी" जल्लाल अल-दीन रूमी के लघु कथाओं और कविताओं के संग्रह "मथनावी" की कहानी से प्रेरित है.

जलालउद्दीन रूमी एक रहस्यवादी शिक्षक, कवि और कहानीकार थे. वो तुर्की के कोन्या शहर में रहते थे. वो घूम-घूमकर नाचने वाले दरवेश संप्रदाय के संस्थापक थे, जो संगीत और नृत्य का उपयोग पूजा की रहस्यमय अवस्था को प्राप्त करने के लिए करते हैं. यह संप्रदाय आज भी जारी है.